RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 149
दि. 28.09.2025, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

आत्मनिर्भर भारत की ओर बड़ा कदम, पीएम मोदी ने किया स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार, 27 सितंबर को अपने ओडिशा दौरे के दौरान झारसुगुड़ा, से भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) की देशी तकनीक पर आधारित 4G नेटवर्क का उद्घाटन किया। यह अवसर BSNL के सिल्वर जुबली यानी 25 साल पूरे होने के मौके पर आया।

इस लॉन्च को डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम करार दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह पहल भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल करती है, जो स्वदेशी टेलीकॉम उपकरणों का निर्माण करने में सक्षम हैं।

ओडिशा में पीएम मोदी ने की सौगातों की बौछार, 'लुटेरी कांग्रेस' से मांगा जीएसटी पर हिसाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा दौरे पर प्रदेश को कई सौगात भेंट की है। झारसुगुडा में पीएम मोदी ने अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई और 60,000 करोड़ की योजनाओं का ऐलान किया। इस दौरान पीएम ने एक जनसभा को भी संबोधित किया, जहां भारी संख्या में बीजेपी समर्थकों का जुटान था।

इस रैली में प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार के जीएसटी दरों को घटाने और ओडिशा के विकास के लिए अपनी सोच पर जोर दिया। अपनी चिर-परिचित शैली में पीएम ने एक बार फिर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी दरें घटाने के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा

हमला बोलते हुए कहा कि ये लुटेरी कांग्रेस है, जो सिर्फ जनता को लूटना जानती है। पीएम ने यह भी कहा कि बीजेपी का मिशन ओडिशा को मॉडल स्टेट बनाने का है।

पीएम मोदी ने इस दौरान कांग्रेस सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि ये लुटेरी कांग्रेस है। उन्होंने कहा, 'हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है। कांग्रेस को मुझे भांति-भांति की गालियां देने की आदत पड़ गई है। जब हमने जीएसटी की दरें कम कीं तो पूरे देश में दाम कम हुआ, लेकिन कांग्रेस आम जनता को यह सुख देना नहीं चाहती। पहले जब हमने डीजल-पेट्रोल का दाम कम किया था, तब जहां-जहां कांग्रेस की सरकारें थीं, वहां उन्होंने डीजल-पेट्रोल पर दूसरा टैक्स लगाकर उसका दाम उतना ही रहने दिया और खुद तिजोरी भरते रहे।'

इसी भाषण में आगे पीएम ने हिमाचल की कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि जब हमारी सरकार ने सीमेंट का दाम कम किया तो हिमाचल में कांग्रेस सरकार ने अपना ही टैक्स लगा दिया।

भोपाल में 'आई लव महादेव' बैनरों का अनोखा प्रदर्शन, जाग्रत हिंदू मंच की पहल, डॉ दुर्गेश केसवानी का तीखा बयान

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में धार्मिक आस्था का अनोखा रंग देखने को मिला। शीतल दास की बगिया में शनिवार को जाग्रत हिंदू मंच ने 'आई लव महादेव' लिखे बड़े-बड़े बैनर लगाकर भगवान शिव के प्रति अपनी भक्ति का खुला प्रदर्शन किया। यह आयोजन न सिर्फ हिंदू समुदाय में उत्साह लेकर आया, बल्कि सामाजिक सौहार्द और धार्मिक स्वतंत्रता पर एक सशक्त संदेश भी दिया।

मंच के संरक्षक और भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ दुर्गेश केसवानी ने इस मौके पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि महाकाल पूरी दुनिया की आस्था का केंद्र हैं, और इस पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने गंगा-जमुनी तहजीब का हवाला देते हुए हर धर्म को अपनी आस्था व्यक्त करने का अधिकार बताया, लेकिन पत्थरबाजों, थूकबाजों और जिहादियों पर निशाना साधा।

शीतल दास की बगिया में भक्ति का सैलाबः बैनरों से सजा शहर का दिल

शनिवार दोपहर को शीतल दास की बगिया, जो भोपाल का एक प्रमुख ऐतिहासिक और पर्यटन स्थल है, हिंदू भक्तों की भारी भीड़ से गूंज उठा। जाग्रत हिंदू मंच के कार्यकताओं ने रंग-बिरंगे बैनर लगाए, जिन पर बड़े अक्षरों में 'I Love Mahadev' लिखा था। साथ ही, भगवान शिव के चित्र, महाकाल मंदिर के फोटो और ज्योतिलिंगों की तस्वीरें भी प्रदर्शित की गईं। आयोजन में सैकड़ों लोग शामिल हुए, जिन्होंने भजन-कीर्तन गाए और महाकाल के जयकारे लगाए। मंच के सदस्यों ने बताया कि यह कैंपेन भगवान शिव की महिमा को युवाओं तक पहुंचाने का प्रयास है, जो आधुनिक तरीके से आस्था को व्यक्त करता है।

स्थानीय निवासियों का कहना था कि यह प्रदर्शन शहर की सांस्कृतिक विविधता को मजबूत करता है। एक युवा कार्यकर्ता ने कहा, "आज के दौर में सोशल मीडिया और इंग्लिश स्लोगन से हमारी परंपरा को नई पीढ़ी से जोड़ना जरूरी है।

विजय की करूर रैली के पीड़ित परिवारों के लिए सीएम स्टलिन ने 10 लाख के मुआवजे का किया ऐलान

(जीएनएस)।

तमिझगा वेत्री कड़गम (TVK) पार्टी के अध्यक्ष थलपति विजय की चुनावी रैली के दौरान हुए दुखद हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हो गए। इस घटना से पूरे तमिलनाडु में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने तुरंत राहत उपायों की घोषणा करते हुए न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं।

यह दुखद घटना तब हुई जब अभिनेता से राजनेता बने विजय की रैली में भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ मच गई। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए मृतकों के परिजनों के लिए ₹10 लाख और घायलों के लिए ₹1 लाख के मुआवजे की घोषणा की।

उन्होंने तिरुचिरापल्ली, सलेम और डिंडीगुल के जिला कलेक्टरों को तुरंत करूर पहुंचकर राहत कार्यों की निगरानी करने का निर्देश दिया। आपातकालीन चिकित्सा दल सक्रिय कर दिए गए हैं और घायल लोगों के इलाज के लिए अस्पतालों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

स्टालिन ने भगदड़ के कारणों का पता लगाने के लिए एक न्यायिक जांच आयोग का गठन किया है। इस आयोग की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अरुणा जगदीशन करेंगी, जिन्होंने पहले 2018 की थूथुकुडी पुलिस गोलीबारी की जांच का नेतृत्व किया था। यह आयोग भीड़ प्रबंधन की समीक्षा करेगा, सीसीटीवी फुटेज की जांच करेगा और चश्मदीदों के बयान दर्ज करेगा। इसका उद्देश्य जवाबदेही तय करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए निवारक उपायों की सिफारिश करना है।

हालांकि बचाव और राहत कार्य जारी हैं, टीवीके और विजय की ओर से अभी तक इस त्रासदी पर कोई बयान नहीं आया है। उनकी चुप्पी ने सबका ध्यान खींचा है, जबकि पीड़ित परिवार न्याय और राजनीतिक रैलियों में सार्वजनिक सुरक्षा के लिए बेहतर उपायों का इंतजार कर रहे हैं।

'दिल टूट गया है' 27 सितंबर को तमिलनाडु के करुर रैली हादसा के बाद पहली बार आया विजय थलापति का बयान

(जीएनएस)।

तमिलनाडु के करुर ज़िले में शनिवार, 27 सितंबर को अभिनेता से नेता बने थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) की विशाल जनसभा एक दर्दनाक त्रासदी में बदल गई।

रैली में अचानक मची भगदड़ जैसी स्थिति में अब तक 36 लोगों की मौत और करीब 40 लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। मृतकों में 16 महिलाएँ, 9 पुरुष और 6 बच्चे शामिल हैं। भयानक भगदड़ हादसे ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है।

अभिनेता से नेता बने और तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) प्रमुख थलपति विजय हादसे के बाद पहली बार बयान सामने आया जिसमें उन्होंने गहरा दुख व्यक्त किया है। इस हादसे में अब तक 31 लोगों की मौत और दर्जनों लोग घायल हो चुके हैं।

विजय थलापति का पहला बयान

इस भीषण हादसे के बाद विजय ने सोशल मीडिया पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा-"मेरा दिल टूट गया है; मैं असहनीय, अवर्णनीय पीड़ा और शोक में तड़प रहा हूँ, जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। करुर में अपने प्रिय भाइयों और बहनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदनाएँ और सहानुभूति व्यक्त करता हूँ। मैं अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।"

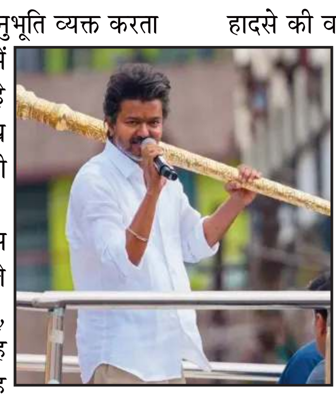

विजय के इस बयान से पहले राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राहुल गांधी समेत कई राष्ट्रीय नेताओं ने इस हादसे पर शोक जताया था। अब विजय की भावुक अपील ने इस त्रासदी को और गहराई से सामने ला दिया है।

स्टालिन ने मुआवजे का किया ऐलान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोगों के परिजनों को ₹10 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं घायलों के इलाज के लिए भी सरकार ने विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

हादसे की वजह क्या रही?

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह हादसा उस वक्त हुआ जब हजारों की भीड़ विजय को करीब से देखने और सुनने के लिए मंच की ओर बढ़ने लगी। वहीं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मा. सुब्रमणियन ने बताया कि हादसे में मरने वालों में बड़ी संख्या महिलाएँ और बच्चे हैं। घायलों को करुर जिला अस्पताल के अलावा ईरोड और तिरुचिरापल्ली मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

प्रशासन ने रैली के लिए 30,000 लोगों की अनुमति दी थी,

लेकिन स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, करीब 60,000 लोग सभा स्थल पर पहुंचे।

इसके साथ ही विजय अपनी रैली में 6 घंटे की देरी से पहुंचे थे। भारी भीड़ और उमस भरे मौसम से लोग बेहोश होने लगे।

अचानक हुए इस भीड़ के दबाव ने मंच के सामने बने बैरिकेड्स तोड़ दिए और हालात बेकाबू हो गए।

कई लोग दम घुटने और कुचलने से मौके पर ही बेहोश हो गए। बच्चों के परिवारों से बिछड़ने की घटनाएँ भी सामने आईं।

हादसे पर किसने क्या कहा?

करुर की इस त्रासदी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह बेहद दुखद और पीड़ादायक है। गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत कई नेताओं ने मृतकों के परिवारों को हिम्मत देने और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

स्वास्थ्य मंत्री का बयान

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मा. सुब्रमणियन ने बताया कि हादसे में मरने वालों में बड़ी संख्या महिलाएँ और बच्चे हैं। घायलों को करुर जिला अस्पताल के अलावा ईरोड और तिरुचिरापल्ली मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

मुंबई में 40 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी तूफानी हवाएं, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। जिसमें तीन घंटों के दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका जताई गई है। मुंबई के नागरिकों को इस अवधि में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। इस गंभीर चेतावनी के मद्देनजर, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) ने भी लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित रहने की अपील की है। बीएमसी ने स्पष्ट किया है कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही अगले तीन घंटों के लिए घर से बाहर निकलें। नागरिकों को तेज हवाओं के कारण पेड़ गिरने या पुरानी और असुरक्षित इमारतों के हिस्सों के ढहने जैसी दुर्घटनाओं की संभावना को देखते हुए यात्रा करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

तेजस्वी यादव के सबसे करीबी विधायक को जनता ने दौड़ाया, जान बचा कर भागे एमएलए

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जनता का राजनीतिक रूप और गुस्सा साफ देखने को मिल रहा है। चुनाव प्रचार में क्षेत्र में पहुंचे नेताओं को जनता के विरोध और सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

कुछ दिन पहले नीतीश सरकार के मंत्री श्रवण कुमार को जनता ने दौड़ाया था, जिन्हें अपनी जान बचाकर निकलना पड़ा। अब इसी तरह का नजारा फखऊ विधायक अलोक मेहता के साथ देखने को मिला। जनता ने तेजस्वी यादव के सबसे करीबी विधायक अलोक मेहता का जोरदार विरोध किया। लोगों का गुस्सा देख फखऊ विधायक किसी तरह से वहां से जान बचा कर निकल गए।

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जैसे ही विधायक वहां पहुंचे, लोग गुस्से से भड़क उठे। एक शख्स जोर-जोर से चिल्लाता नजर आया,'आप नेता बिल्कुल नहीं हैं, लालटेन के नाम पर कलंक हैं, 15 साल से कुछ नहीं किया, सब बेकार कर दिया।' जनता के नारे और गुस्से को देख विधायक किसी तरह वहां से भाग निकले। साथ ही उन्होंने वीडियो बना रहे लोगों से रिकॉर्डिंग बंद करने का आग्रह किया, ताकि उनकी बदनामी और न फैले। इस पूरी घटना ने राजनीतिक हलकों और आम जनता दोनों में हड़कंप मचा दिया। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल

यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और यूजर्स इसे लेकर मजेदार और तीखे कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, '@yadavtejashwi आपके MLA जनता के सवालों से घबरा कर दुम दबा के भाग रहे हैं! ध्यान दें मेहता जी पर, सीट शायद ही बच पाए।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'वोट लेने के बाद पलटकर देखोगे तक नहीं है, तो ये हाल तो होगा ही।'

एक तीसरे यूजर ने लिखा, 'बहुत बढ़िया, लोकतंत्र में जवाब तो मांगना ही चाहिए अपने प्रतिनिधि से।'

'ओसामा को पालने में शर्म नहीं आई', यूएन में भारत ने पाकिस्तानी पीएम को किया एक्सपोज, हर सवाल का दिया मुंहतोड़ जवाब

(जीएनएस)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भाषण के बाद भारत ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को राइट टू रिप्लाई का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान को जबरदस्त फटकार लगाई। भारत ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को महिमामंडित करने और झूठ फैलाने का सीधा आरोप लगाया।

भारतीय राजनयिक पेटल गहलोत ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के भाषण को 'बेतुका नाटक' करार दिया और दो टूक कहा कि 'कोई भी नाटक या झूठ तथ्यों को छिपा नहीं सकता।' संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जब कश्मीर और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भ्रामक दावे किए, तो भारत ने पाकिस्तान को आईना दिखा दिया।

झूठ नंबर 1: भारत-पाक संघर्ष पर भ्रामक दावा

पाकिस्तान का प्रधानमंत्री ने दावा किया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत के सात जेट क्षतिग्रस्त हुए। इस पर पेटल गहलोत ने पलटवार करते हुए स्पष्ट किया कि यह दावा झूठा है। रिकॉर्ड स्पष्ट है। 9 मई तक पाकिस्तान भारत को और हमलों की धमकी दे रहा था, लेकिन 10 मई को खुद सेना ने संघर्ष विराम के लिए सीधे मिन्नतें की थीं।

झूठ नंबर 2: आतंकवाद पर दोहरा रवैया

पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने दावा किया कि, पाकिस्तान खुद 'बाहरी-प्रायोजित आतंकवाद' का शिकार है और ळ्ळढ जैसे संगठनों की निंदा करता है। भारत की ओर से पेटल ने पलटवार करते हुए कहा कि, यह बेशर्मी है! पाकिस्तान ने एक दशक तक ओसामा बिन लादेन को अपने घर में पनाह दी। आपके मंत्रियों ने हाल ही में माना है कि दशकों से वहां आतंकी कैंप चल रहे हैं।

शहबाज शरीफ ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ करते हुए उन्हें शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की बात कही। भारत ने वठरउ में पाकिस्तान के एक और कृत्य का खुलासा कियाः 25 अप्रैल, 2025 को पाकिस्तान ने 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) नामक पाकिस्तानी आतंकी संगठन को कश्मीर में पर्यटकों के नरसंहार की जिम्मेदारी से बचाया।

झूठ नंबर 3: कश्मीर और सिंधु जल संधि पर धमकी

शहबाज शरीफ ने हर साल की तरह इस बार भी कश्मीर का मुद्दा उठाया और जनमत संग्रह की बात दोहराई। साथ ही सिंधु जल संधि को लेकर भारत की कार्रवाई पर धमकी दी कि इसका उल्लंघन 'युद्ध के एक कार्य' जैसा होगा। भारत ने इन बातों को तथ्यों को विकृत करने की कोशिश बताया और साफ कर दिया कि पाकिस्तान की विदेश नीति का मुख्य आधार आतंकवाद को बढ़ावा देना है, जिसे वह कितना भी छिपा ले, दुनिया जानती है।

सम्पादकीय

भ्रष्टाचार को लेकर बिहार में माहौल गर्म

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जंगलराज बनाम विकास के नैरेटिव की जंग के बीच अब भ्रष्टाचार यानी करप्शन का मुद्दा गरमा गया है। चारों ओर से आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला आरंभ हो चुका है। पहले बात करते हैं जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर की। प्रशांत किशोर ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सहित सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं पर कई आरोप लगाए हैं। वे लगातार इन आरोपों को दोहरा रहे हैं तो अब सत्तारूढ़ गठबंधन के लोग भी इन आरोपों को लेकर सवाल पूछने लगे हैं। बिहार में इन आरोपों और उसके सहयोगी दल विपक्ष को घेरने के लिए जंगलराज का मुद्दा उठा रहे हैं। सोशल मीडिया और अन्य प्रचार माध्यमों से जंगलराज की याद दिलाई जा रही है। पार्टी के एक नेता के मुताबिक जिन लोगों ने बिहार में जंगलराज का दौर देखा है। उन्हें फिर से उस दौर की याद दिलाई जा रही है। साथ ही नई पीढ़ी को भी बता सवें कि बिहार किस दौर से गुजरा था और अगर विपक्ष सत्ता में फिर आया तो वह दौर फिर लौट सकता है। एक तरफ जहां भाजपा इसी मुद्दे पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है वहीं राजनीति में एक नया मुद्दा भी जुड़ता जा रहा है, जो भाजपा को ही नहीं पूरे एनडीए की चिंता बढ़ा सकता है।

जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर हत्या और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है तो जेडीयू नेता और मंत्री अशोक चौधरी पर भी 200 करोड़ की बेमानी संपत्ति का आरोप लगाया है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे पर दिलीप जायसवाल से पैसे लेकर फ्लैट खरीदने का आरोप जड़ा है तो उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर फर्जी डिग्री का आरोप लगाया है। प्रशांत किशोर जिस आक्रामक तरीके से लगातार इन आरोपों को उठा रहे हैं और इन पर जवाब मांग रहे हैं उससे राज्य की राजनीति में जंगलराज बनाम विकास की जगह अभी सबसे ज्यादा चर्चा इसी पर होने लगी है। इस पूरी बहस को और हवा दी भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर ने जिन नेताओं पर आरोप लगाए हैं उन्हें जवाब देना चाहिए और जवाब नहीं आने से भाजपा का ग्राफ गिर रहा है। जेडीयू नेता व प्रवक्ता नीरज कुमार ने भी कहा कि आरोपों पर अशोक चौधरी को अपनी स्थिति साफ करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी अग्नि परीक्षा से गुजर रही है और इस तरह के गंभीर आरोप सामान्य बात नहीं हैं। आरोपों का बिंदुवार जवाब देना चाहिए। उधर बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने मंगलवार को जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर को कानूनी नोटिस भेजा।

साथ ही कहा कि वह बिना शर्त माफी मांगे या 100 करोड़ रुपए की मानहानि का मुकदमा झेलने के लिए तैयार रहें। बता दें कि हाल ही में पटना में प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया था कि चौधरी करीब 200 करोड़ रुपए मूल्य की जमीन की कथित रूप से अनियंत्रित खरीद-फरोख्त में शामिल हैं। ग्रामीण कार्य विभाग का प्रभार संभाल रहे अशोक चौधरी ने नोटिस से किशोर से कहा है कि वह या तो अपने आरोपों को साबित करने के लिए सुबूत दें या फिर सार्वजनिक तौर पर बिना शर्त माफी मांगें। बिहार विधानसभा चुनावों की किसी भी समय घोषणा हो सकती हैं, ऐसे में इस प्रकार के आरोप एनडीए के लिए शुभ नहीं माने जा सकते।

हालिया सर्वे से प्रशांत किशोर होंगे खुश, 36 सीटों पर एनडीए-महागठबंधन को देंगे टेंशन!

(जीएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एक सर्वे सामने आया है। इसमें छह विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं से उनका रुझान पूछा गया, जहां से प्रशांत किशोर के लिए उम्मीद की खबर नजर आ रही है। Ascendia ने 'बैटल ऑफ बिहार-2025' नाम से यह सर्वे किया है। इसमें पूर्णिया, मगध, भोजपुर, भागलपुर, सारण और पटना के मतदाताओं से उनकी राय पूछी गई है।

सर्वे में उम्मीद जताई गई है कि जनसुराज को इस क्षेत्र में कुछ सीटें मिल सकती हैं। इस सर्वे में मतदाताओं से एनडीए और इंडिया गठबंधन के अलावा राजनीतिक विश्लेषक प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी को लेकर भी सवाल पूछे गए थे। सर्वे के अनुसार, जनसुराज पार्टी कुछ जगहों पर कमाल कर सकती है। आइए जानते हैं किन 36 सीटों पर पीके की पार्टी का प्रभाव बनता दिख रहा है।

क्षेत्रवार जनसुराज का प्रभाव

पूर्णिया विधानसभाः इस क्षेत्र में कुल 24 विधानसभा सीटें हैं। यहां 46 फीसदी मुस्लिम हैं और अनुसूचित जाति की 14 फीसदी आबादी है। सर्वे के मुताबिक इस बार इन 24 सीटों पर जनसुराज का प्रभाव ज्यादा नहीं रहेगा। पिछले विधानसभा चुनाव यानी 2020 में 24 में से 12 सीटें एनडीए को मिली थीं। अन्य दलों को 5 सीटें मिली थीं। इस बार यहां महागठबंधन को कुछ फायदा मिलने की उम्मीद जताई गई है।

मगध विधानसभा क्षेत्रः इसमें कुल 26 सीटें हैं और यहां 10 प्रतिशत मुस्लिम और 31 प्रतिशत लोग अनुसूचित जाति से हैं। 2020 में यहां महागठबंधन ने 26 में से 20 सीटों पर उसको जीत मिली थी, जबकि एनडीए ने 6 सीटें जीती थीं। सर्वे के मुताबिक, यहां महागठबंधन को इस बार बड़ा नुकसान होता दिख रहा है, लेकिन उसका फायदा एनडीए को मिलेगा। जनसुराज पार्टी का प्रभाव यहां भी कम है, लेकिन एक या दो सीट पर उनका असर दिख सकता है।

भोजपुर विधानसभा क्षेत्रः भोजपुर में कुल 22 विधानसभा सीटें हैं, जिनमें से 9 प्रतिशत मुस्लिम और 22 प्रतिशत लोग अनुसूचित जाति से हैं। यह इलाका एक समय में आरजेडी का गढ़ रहा था और पिछले चुनाव में तो यहां महागठबंधन ने कमाल कर दिया था। महागठबंधन ने 40 प्रतिशत वोट के साथ 19 और अन्य दलों ने 32 प्रतिशत वोट शेयर के साथ एक सीट जीती थी। हालांकि, इस सर्वे में बाजी पलटती दिखाई दे रही है। यहां महागठबंधन को नुकसान होता दिख रहा है, लेकिन इसका फायदा एनडीए को ही मिलने की उम्मीद है। जनसुराज का यहां इस चुनाव में प्रभाव नहीं दिख रहा है।

भागलपुर विधानसभा क्षेत्रः भागलपुर में 45.5 प्रतिशत आबादी मुस्लिम और 14 प्रतिशत अनुसूचित जाति के लोग हैं। सर्वे के मुताबिक, इस क्षेत्र में जनसुराज को बढ़त मिल सकती है। यह पूरी तरह से उम्मीदवारों के चयन पर निर्भर कर सकता है। इस बार भागलपुर के चुनाव नतीजे चौंकाने वाले हो सकते हैं।

इन सीटों पर मिल सकता है फायदा

सारण विधानसभा क्षेत्रः सारण में कुल 24 विधानसभा सीटें हैं और यहां 15 प्रतिशत मुस्लिम और 15 प्रतिशत लोग अनुसूचित जाति के हैं। सर्वे के अनुसार इस बार एनडीए और महागठबंधन की स्थिति में बदलाव दिख सकता है। इस इलाके में जनता के बीच जनसुराज की अच्छी पकड़ बनती दिख रही है। यहां पार्टी कुछ सीटें निकाल भी सकती है।

पटना विधानसभा क्षेत्रः पटना में 21 विधानसभा सीटें हैं और इसमें 7 प्रतिशत आबादी मुस्लिम, 22 प्रतिशत लोग अनुसूचित जाति के हैं। 2020 के चुनाव में एनडीए ने 39 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 11 सीटें जीती थी। 38 प्रतिशत वोट शेयर के साथ महागठबंधन ने 10 सीटों पर जीत हासिल की। सर्वे के मुताबिक, जनसुराज इसी क्षेत्र में सबसे मजबूती से पकड़ बनाते दिख रहे हैं। हालांकि, ये सिर्फ सर्वे हैं और उम्मीदवारों के चयन से लेकर प्रचार रणनीति पर बहुत कुछ निर्भर रह सकता है।

विजय की करूर रैली में भगदड़ से अब तक 36 की मौत, इन प्वाइंट में समझें कैसे हुआ हादसा?

(जीएनएस)। तमिलनाडु के करूर ज़िले में शनिवार (27 सितंबर 2025) को अभिनेता से नेता बने थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टवक) की रैली में एक बड़ा हादसा हो गया। रैली के दौरान अचानक मची भगदड़ जैसी स्थिति में अब तक 36 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

मृतकों में 16 महिलाएं, 9 पुरुष और 6 बच्चे शामिल हैं। हालात के अनुसार प्रशासन का कहना है कि जब तक सभी अस्पतालों से रिपोर्ट नहीं आ जाती, मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। आइए जानते हैं आखिर किसकी लापरवाही से हुआ इतना बड़ा हादसा...

कैसे हुआ हादसा?

यह हादसा करूर-ईरोड हाईवे के वेलुसामिपुरम इलाके में हुआ, जहां विजय अपने 'वेलिचम वेलियेरु' (अर्थात-"प्रकाश बाहर आए") अभियान के तहत एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। जिला प्रशासन ने बताया कि शाम लगभग 7 बजकर 45 मिनट पर मंच के सामने खड़े हजारों लोग अचानक आगे की ओर बढ़ने लगे।

आंखों-देखी गवाहों के मुताबिक, लोग विजय की एक झलक पाने और मंच के करीब पहुंचने के लिए तेजी से बैरिकेड्स की तरफ दौड़े। इस अफरातफरी में कई लोग गिर पड़े और दम घुटने से बेहोश हो गए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि अचानक हुए इस दबाव में कई लोग जमीन पर गिर गए, कुछ का दम घुट गया और कई बच्चे अपने परिवार से बिछड़ गए।

30 से ज्यादा मौतों का जिम्मेदार कौन? करूर हादसे पर चुप्पी साध गए विजय

करूर भगदड़ त्रासदी को लेकर पत्रकारों ने सवाल पूछे तो TVK नेता विजय ने कोई जवाब नहीं दिया। जब रिपोर्टरों ने कहा - 'सर, इतनी जानें चली गईं, कृपया कुछ तो बोलिए' - तब भी विजय मीडिया से बिना सामना किए सीधे अपने घर

देर से पहुंचने के कारण भीड़ हो गई बेकाबू

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, एक्टर अपनी रैली में 6 घंटे की देरी से कार्यक्रम स्थल पहुंचे। पहले से ही वहां अधिक संख्या में लोग इकट्ठा थे देर होने के कारण भीड़ बढ़ती चली गई। भीड़ और उमस होने के कारण कुछ लोग बेहोश होने लगे।

इस दौरान विजय ने अपना भाषण बीच में रोक दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में देखा गया कि विजय पानी की बोतलें बांटते नजर आए और एक लापता बच्चे को ढूंढने के लिए माइक से अपील भी की। उन्होंने भीड़ को संयम बनाए रखने की गुहार की, लेकिन हालात पर काबू पाना मुश्किल हो गया।

अनुमति से अधिक भीड़ से स्थिति बिगड़ी

पुलिस सूत्रों के अनुसार, करूर रैली में भीड़ का आंकड़ा अनुमान से कहीं अधिक रहा। अनुमति 30,000 लोगों की थी, लेकिन स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक करीब 60,000 लोग रैली स्थल पर पहुंचे। लोग पैदल, ट्रैक्टर और बसों से लंबी दूरी तय कर सभा स्थल पहुंचे थे।

एंट्री गेट पर भारी जाम लग गया और यह जगहें "चोक प्वाइंट" में बदल गई। मंच के पास बफर जोन की कमी थी, जिससे लोग लगातार आगे बढ़ते गए और भीड़ नियंत्रण असंभव हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, "टर्नआउट अपेक्षा से बहुत बड़ा था। स्टेज बैरिकेड्स भीड़ के दबाव को झेल नहीं पाए और हालात बिगड़ गए।"

दिलचस्प बात यह है कि यह सभा स्थल आखिरी वक्त में बदला गया था। शुरू में रैली को करूर शहर के बीच आयोजित करना था, लेकिन पुलिस ने भीड़ और ट्रैफिक जोखिम को देखते हुए इसे हाईवे किनारे शिफ्ट करने की सलाह दी थी। इसके बावजूद, पर्याप्त भीड़ नियंत्रण इंतजाम नहीं हो सके।

राहत और बचाव में आ रही मुश्किलें

हादसे के बाद एम्बुलेंसों को घटना स्थल तक पहुँचने में भारी दिक्कत हुई। भीड़ इतनी घनी थी कि वाहनों का रास्ता पूरी तरह जाम हो गया। आखिरकार स्वयंसेवकों और पुलिस ने मानव श्रृंखला बनाकर घायलों के लिए रास्ता बनाया। घायलों को करूर जिला अस्पताल ले जाया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को ईरोड और तिरुचिरापल्ली मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में रेफर किया गया।

प्रशासन की कार्रवाई और जांच

तमिलनाडु सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। जिला प्रशासन ने कहा है कि मैजिस्ट्रियल इन्क्वायरी (न्यायिक जांच) होगी और वीडियो फुटेज व गवाहों के बयान के आधार पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने माना कि भीड़ नियंत्रण की गंभीर चूक सामने आई है।

स्वास्थ्य मंत्री मा. सुब्रमणियन ने अस्पताल जाकर घायलों का हालचाल लिया। वहीं, पूर्व डीएमके मंत्री वी. सेंथिल बालाजी भी घायलों से मिलने पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, मृतकों के परिजनों को ₹5 लाख का मुआवजा और घायलों को ₹50,000 की आर्थिक सहायता देने पर विचार किया जा रहा है।

विजय की रैली का मकसद जनता से जुड़ना था, लेकिन भारी भीड़ ने इसे मातम में बदल दिया। अब सवाल यह है कि क्या जांच के बाद दोषियों की जिम्मेदारी तय हो पाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकेगा?

'वो मर्दों को हिंट देती है, फंसाती है', इस सुपरस्टार की मां ने रेखा के बारे में सरेआम कही थी ऐसी बात

(जीएनएस)। रेखा बॉलीवुड की वो एक्ट्रेस हैं, जो अपने सदाबहार अंदाज के लिए जानी जाती हैं। भले ही वो आजकल फिल्मों में नजर नहीं आती हैं, लेकिन वो हर एक बड़े इवेंट में दिखती हैं। रेखा की पर्सनल लाइफ भी बड़े उतार-चढ़ाव से गुजरी है। रेखा की पर्सनल लाइफ उनकी शादी और अफेयर की वजह से भी चर्चा में रही है।

अमिताभ बच्चन के साथ उनके अफेयर की बातें तो आज भी सुर्खियां बटोरती हैं। रेखा ने शादी भी की, लेकिन कोई भी चल नहीं पाई। वो मांग में सिंदूर लगाती हैं। किसके नाम का, वो भी एक रहस्य है। रेखा को जया पसंद नहीं करती हैं। इसके अलावा एक और एक्ट्रेस रही हैं, जिन्हें रेखा फूटी आंख नहीं सुहाती हैं। इतना ही नहीं उन्होंने रेखा को चुड़ैल तक कह दिया था।

बात है फिल्म 'जमीन आकाश'की। जिसमें रेखा के साथ संजय दत्त थे। इस सेट में दोनों की अचानक नजदीकियां बढ़ने लगीं थी। दोनों के अफेयर की खबरें फैलने लगीं। कुछ रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया कि रेखा संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती थीं। हालांकि इस मामले में दोनों ने कभी कुछ नहीं बोला। लेकिन संजय दत्त की मां नरगिस दत्त को इस खबर की भनक लगी तो उनका पारा चढ़ गया।

साल 1976 में नरगिस दत्त ने एक इंटरव्यू दिया था। जिसमें उन्होंने रेखा के बारे में एक बड़ी विवादास्पद कही थी। उन्होंने कहा था, "वो (रेखा) पुरुषों को ऐसे संकेत देती है, जैसे वह आसानी से उपलब्ध हो। कुछ लोगों की नजरों में वह चुड़ैल से कम नहीं है। वो मेरे बेटे से दूर रहे। उसने मेरे बेटे को भी फंसा लिया है। कई बार मुझे लगता है कि मैं उन्हें समझती हूं। मैंने अपने करियर में कई ऐसे बच्चों के साथ काम किया है जिन्हें मनोवैज्ञानिक परेशानी है, लेकिन वह खोई हुई है। उसे एक मजबूत आदमी की जरूरत है।"

दिल्ली के व्यापारी मुकेश अग्रवाल से शादी करने के बाद रेखा की जिंदगी में एक बड़ा तूफान आया। 1990 में मुकेश अग्रवाल ने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। मुकेश की मृत्यु के बाद रेखा को उनके पति की मौत का जिम्मेदार ठहराया गया। उन्हें 'वैम्प' कहा गया और उन पर को 'खाने' का आरोप भी लगा, जिससे उनकी जिंदगी और भी मुश्किल हो गई।

सड़कों पर सन्नाटा, बाजार-स्कूल बंद', सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद लेह में कैसे हैं हालात?

(जीएनएस)। एनवायरमेंट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद लद्दाख के लेह में पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। शनिवार, 27 सितंबर को लगातार चौथे दिन भी लेह में कर्फ्यू जारी रहा और शहर में हालात अभी सामान्य नहीं हुए हैं। पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने गश्त और चेकिंग तेज कर दी है।

यह कदम सोनम वांगचुक को ठरअ के तहत हिरासत में लिए जाने के एक दिन बाद उठाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे इलाके में हालात पर कड़ी नजर रखी जा रही है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है। बता दें कि वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद हालात ना बिगड़े इसके लिए पूरे लेह में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

24 घंटे से कैसे हैं हालात?

अधिकारियों ने कहा कि बीते 24 घंटों में लद्दाख के किसी भी हिस्से से कोई अनहोनी की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कर्फ्यू और पाबंदियाँ जारी हैं। हालात सामान्य होने तक लेह में स्कूल और मार्केट बंद हैं और चारो तरफ सन्नाटा फैला हुआ है। सड़कों पर पैरा मिलिट्री फोर्स तैनात हैं।

सामाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता राजभवन में उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने वाले हैं। कर्फ्यू में ढील देने पर निर्णय इसी बैठक में लिया जाएगा। प्रशासन ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की गश्त बढ़ा दी गई है।

इसके साथ ही, हिंसा भड़काने वालों को पकड़ने के लिए छापेमारी भी की जा रही है। इनमें एक पार्षद भी शामिल है, जिस पर लोगों को भड़काने का आरोप है। अब तक 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। लेह के अलावा कारगिल समेत केंद्र शासित प्रदेश (UT) के अन्य बड़े शहरों में भी धारा 144 के तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लागू है।

वांगचुक की गिरफ्तारी पर क्या कहा?

शुक्रवार देर रात उपराज्यपाल (LG) ने एक बयान जारी कर वांगचुक की गिरफ्तारी को उचित ठहराया। बयान में कहा गया कि वांगचुक के कई भाषणों के चलते 24 सितंबर को लेह में हिंसा भड़की। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। प्रशासन ने कहा कि वांगचुक को हिरासत में लेना शांति बहाल करने और उन्हें ऐसी गतिविधियों से रोकने के लिए जरूरी था जो "सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए हानिकारक" साबित हो सकती हैं।

प्रशासन का दावा - निजी महत्वाकांक्षा में उलझे रहे वांगचुक

बयान में कहा गया कि यदि वांगचुक सरकार के साथ संवाद बहाल होने पर भूख हड़ताल वापस ले लेते तो यह हिंसा टल सकती थी। प्रशासन का कहना है कि वांगचुक ने अपनी "निजी और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं" के चलते आंदोलन जारी रखा। प्रशासन ने साफ किया कि वांगचुक को लेह में रखने से माहौल और बिगड़ सकता था। इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (ठरअ) के तहत उन्हें हिरासत में लेकर राजस्थान की जोधपुर जेल भेजा गया है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लगने वाला है एंटरटेनमेंट का बुफे, इस हफ्ते होगा जोरदार धमाका

(जीएनएस)। हर हफ्ते की तरह इस बार भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंटरटेनमेंट का बुफे लगने वाला है। नेटफ्लिक्स से लेकर जियो हॉटस्टार तक इस सारे प्लेटफॉर्म पर कई धमाकेदार फिल्में और वेब सीरीज रिलीज होने वाली हैं। इस लिस्ट में ट्विंकल खन्ना और काजोल के टॉक शो से लेकर 'सन ऑफ सरदार-2' तक का नाम शामिल है। साथ ही कुछ नए शोज भी देखने को मिलेंगे।

22 सितंबर से 28 सितंबर के बीच ओटीटी पर क्या रिलीज होगी हम आपको इस रिपोर्ट में बताएंगे। इस सप्ताह दर्शकों को एक्शन, ड्रामा, रोमांस और कॉमेडी का शानदार मिश्रण देखने को मिलेगा।

सोनी लिव में 22 सितंबर को नवरात्रि के दिन 'चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है' रिलीज हो रही है। इस शो का टीजर पहले ही काफी चर्चा बटोर चुका है। इस सीरीज में आपको भक्ति भाव देखने को मिलेगा।

23 सितंबर को साउथ की बेहतरीन कहानी 'सुंदरकंडा' रिलीज होगी। इसे आप जियोहॉटस्टार पर देख सकते हैं। यह एक अनोखी प्रेम कहानी है, जिसके रेटिंग भी शानदार है।

24 सितंबर को जियो हॉटस्टार पर मार्वल के फैंस के लिए 'मार्वल जॉम्बीज' आ रही है। इसमें हल्के-फुल्के मनोरंजन और जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। इसकी खासियत ये है कि बच्चों और बड़ों दोनों को पसंद आएगी।

25 सितंबर को 'टू मच फन विद काजोल एंड ट्विंकल' नाम का खास टॉक शो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा। इसमें आमिर से लेकर सलमान तक कई बड़े सितारे शामिल होंगे।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'धड़क-2' ओटीटी पर 26 सितंबर को रिलीज होगी। दर्शक इसे नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

मस्ती भरे मनोरंजन के लिए 26 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर अजय देवगन की मल्टीस्टारर फिल्म 'सन ऑफ सरदार' रिलीज होगी। यह फिल्म दर्शकों को हंसाने और उनका मूड हल्का करने के लिए एक अच्छा विकल्प है।

मोहनलाल और मालविका मोहनन अभिनीत फिल्म 'हृदयपूर्वम' 26 सितंबर को जियो हॉटस्टार पर रिलजी होगी। यह एक हार्ट ट्रांसप्लांट सर्वाइवर की कहानी है, जो अपने डोनर की बेटी की सगाई में जाता है और फिर उससे प्यार करने लगता है।

जियो हॉटस्टार पर 28 सितंबर को 'द फ्रेंड' रिलीज होगी, जिसमें कॉमिडी और ड्रामा का बेहतरीन कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा।

फाइनल में 10 बार भिड़े भारत-पाकिस्तान, किसने मारी बाजी, कौन रहा पीछे?

एशिया कप 2025 का फाइनल रविवार को दुबई में खेला जाएगा, जहां क्रिकेट के दो सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। यह इस मौजूदा टूर्नामेंट में तीसरी बार होगा जब ये दोनों टीमें भिड़ेंगी। भारत ने इससे पहले ग्रुप और सुपर फोर चरण में पाकिस्तान को मात दी है और अब उसकी नजरें जीत की हैट्रिक पर टिकी हैं।

41 साल के इतिहास में पहली भिड़ंत (क्ठऊ५२ ढअङ ऋ्हल्लं')

एशिया कप की शुरूआत 1984 में होने के बावजूद इसके 41 साल के इतिहास में कभी भी भारत और पाकिस्तान फाइनल में नहीं टकराए थे। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई है, जबकि भारतीय टीम लगातार छह मैच जीतकर, अजेय रहते हुए खिताबी मुकाबले में पहुंची है।

भारत सबसे ज्यादा आठ बार एशिया कप का खिताब जीत चुका है, जबकि पाकिस्तान ने सिर्फ दो बार यह ट्रॉफी उठाई है।

फाइनल में पाकिस्तान का पलड़ा रहा है भारी

हालांकि, भारत के लिए आत्मविश्वास के अतिरिक्त से बचना जरूरी होगा, क्योंकि खिताबी मुकाबलों में पाकिस्तान के खिलाफ उसका रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल रिकॉर्ड पर नजर डालें तो मुकाबला हमेशा कांटे का रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 10 फाइनल मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने 3 और पाकिस्तान ने 7 में जीत हासिल की है।

भारत को दिखाना होगा दम

पाकिस्तान ने 6 खिताबी जीत दर्ज की हैं, जिनमें 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल की एकतरफा जीत शामिल है। वहीं, भारत के पक्ष में 1985 विश्व चैंपियनशिप और सबसे अहम 2007 टी20 विश्व कप फाइनल की जीत दर्ज है। यह रिकॉर्ड बताता है कि फाइनल का दबाव बिल्कुल अलग होता है। ऐसे में रविवार को एक भी भूल टीम इंडिया के लिए मुसीबत बन सकती है।

फाइनल में ऐसा रहा है रिकॉर्ड

विश्व चैंपियनशिप 1985 में भारत ने 8 विकेट जीता था।

ऑस्ट्रेल एशिया कप 1986 में पाकिस्तान ने 1 विकेट जीता था।

विल्स ट्रॉफी1991 में पाकिस्तान को 72 रन से जीत मिली थी।

ऑस्ट्रेल कप 1994 में पाकिस्तान 39 रन से मैच जीता था।

सिल्वर जुबली कप 1998 में भारत ने 3 विकेट मैच जीता था।

पेप्सी कप 1999 में पाकिस्तान ने 123 रन से मैच जीता था।

कोका-कोला कप 1999 में पाकिस्तान ने 8 विकेट से मैच जीता था।

RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004 (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002 and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH

माननीय प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर ब्रह्मपुर (ओडिशा) और उधना (गुजरात) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस का किया शुभारंभ

(जीएनएस)।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सूरत में बुलेट ट्रेन स्टेशन के निर्माण कार्य की समीक्षा की

भारत के हीरा और कपड़ा केंद्र के रूप में विख्यात सूरत में यात्री और माल ढुलाई में तेजी से वृद्धि हो रही है। गुजरात की भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए भारतीय रेलवे व्यापक कदम उठा रहा है। इनमें सूरत एवं उधना में रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास और नई यात्री व मालगाड़ियां शुरू करना शामिल है।

ओडिशा और गुजरात के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस

आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रह्मपुर (ओडिशा) और उधना (गुजरात) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह एक नई पीढ़ी की ट्रेन है, जिसे किफायती, सुरक्षित और लंबी दूरी की यात्रा के लिए डिजाइन किया गया है।

अमृत भारत एक्सप्रेस की विशेषताएं:

- बेहतर डिजाइन के साथ आधुनिक एर्गोनॉमिक सीटिंग
- निर्बाध आवागमन के लिए पूरी तरह से कनेक्टेड कोच
- बेहतर सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने वाला ट्विन-इंजन कॉन्फि गरेशन

जिस तरह वंदे भारत एक्सप्रेस ने मध्यम वर्ग के लिए यात्रा की नई परिभाषा गढ़ी है, उसी तरह अमृत भारत एक्सप्रेस भी किफायती किराए पर ऐसी ही सुविधाएं प्रदान करेगी। आज शुरू की गई इस रेल सेवा का किराया 495 रुपए (सामान्य श्रेणी) और 795 रुपए (गैर-वातानुकूलित शयनयान श्रेणी) प्रति यात्रा होगा। यह

ट्रेन 5 राज्यों (गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और ओडिशा) के 22 जिलों में 1700 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगी। इस नई कनेक्टिविटी से युवाओं सहित उद्यमियों एवं व्यवसायियों को कपड़ा, हीरा व संबंधित क्षेत्रों में और अधिक अवसर मिलेंगे। इस ट्रेन से मां तारा तारिणी शक्तिपीठ जाने वाले तीर्थयात्रियों को भी लाभ होगा।

गुजरात में स्टेशन पुनर्विकास कार्य

गुजरात के स्टेशनों का विकास अगले 50 वर्षों को ध्यान में रखते हुए मास्टर डेवलपमेंट प्लान के तहत किया जा रहा है। भारतीय रेलवे उधना, सूरत, बिलिमोरा, सचिन आदि रेलवे स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज उधना स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि स्टेशन को आधुनिक तर्ज पर डिजाइन किया जा रहा है। प्लेटफॉर्म और पिट लाइनों की क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री ने निर्माण कार्य की समीक्षा के लिए सूरत हाई स्पीड रेल स्टेशन का भी दौरा किया। सूरत-बिलिमोरा के बीच काम तेजी से चल रहा है। स्टेशन का सिविल वर्क पूरा हो चुका है और फि निशिंग व यूटिलिटी वर्क अभी चल रहा है। आज के निरीक्षण के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस परियोजना में आधुनिक और नवीन तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। पटरियों पर काम उल्लेखनीय गति से चल रहा है। सूरत स्टेशन पर पहला टर्नआउट सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। टर्नआउट रेलवे ट्रैक का महत्वपूर्ण जंक्शन होता है। यह सुविधा हाई-स्पीड ट्रेनों के संचालन में सुगमता लाएगी। उन्होंने बताया कि पटरियों में रोलर बेयरिंग भी लगे हैं, जिससे बुलेट ट्रेन अधिक सुरक्षित और सुगमता से तेज गति से चल सकेगी। इसके अतिरिक्त, पटरियों पर स्लीपर कंक्रीट की बजाय मिश्रित सामग्री से बनाए गए हैं। इससे उच्च स्थायित्व, कम रखरखाव और तेज गति पर बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित होगा। यात्री सुविधा को और बेहतर बनाने एवं वातावरण में शोर को कम करने के लिए डैम्पर्स के रूप में एक कंपन अवशोषण तंत्र शुरू किया गया है। ये डैम्पर्स शोर और झटके को अवशोषित करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस परियोजना से हम सूरत से मुंबई एक घंटे में पहुंच सकेंगे। स्टेशन पुनर्विकास और ट्रैक बिछाने का काम लगातार जारी है। हाई-स्पीड रेल परियोजना अंततः कनेक्टिविटी में बदलाव लाएगी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देगी। अहमदाबाद और मुंबई का पूरा खंड एक आर्थिक गलियारा बन जाएगा।

वड़ोदरा मंडल पर 'स्वच्छोत्सव' : नुक्कड़ नाटक से स्वच्छता का संदेश

'स्वच्छता ही सेवा - 2025'अभियान के अंतर्गत पश्चिम रेलवे, वड़ोदरा मंडल द्वारा वड़ोदरा एवं छायापुरी स्टेशन पर विशेष 'स्वच्छोत्सव' कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

इस अवसर पर 'स्वच्छ भारत, स्वच्छ रेल'विषय पर आधारित वड़ोदरा स्टेशन पर रेल कर्मियों तथा छायापुरी स्टेशन पर ओएनजीसी,(वडोदरा) द्वारा प्रेरक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच सार्वजनिक स्थानों, विशेषकर रेलवे परिसर और उसके आसपास, स्वच्छता एवं हाइजीन (सफाई और स्वास्थ्य) के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था।

इस प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक ने कूड़े-कचरे का उचित निपटान, कूड़ा फैलाने के हानिकारक प्रभावों और स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने की सामूहिक जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रेषित किया। इस प्रदर्शन ने यात्रियों और स्थानीय नागरिकों का काफी ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने इतने महत्वपूर्ण संदेश को संप्रेषित करने के लिए उपयोग किए गए इस रचनात्मक और आकर्षक माध्यम की सराहना की।

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा वडोदरा स्टेशन का निरीक्षण

'स्वच्छता ही सेवा - 2025'अभियान के अंतर्गत, मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके एवं वरिष्ठ मंडल अधिकारियों संग आज वडोदरा रेलवे स्टेशन का व्यापक स्वच्छता एवं यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया गया । इस निरिक्षण का मुख्य उद्देश्य यात्री सुविधाओं, स्टेशन की साफ-सफाई एवं परिचालन सुरक्षा मानकों की सुनिश्चितता था ।

निरीक्षण के दौरान टिकट चेकिंग की गई तथा स्टेशन परिसर में अनधिकृत रूप से खाद्य सामग्री एवं अन्य वस्तुएं बेचने वाले वेंडरों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की गई। स्टेशन परिसर की स्वच्छता के साथ-साथ ट्रेनों में साफ-सफाई एवं शौचालयों की सफाई की सुनिश्चितता की गई। खान-पान स्टॉलों का भी निरीक्षण कर खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया।

यात्रियों की सुविधाओं की समीक्षा करते हुए श्री भडके ने स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने को प्राथमिकता दी।

मंडल रेल प्रबंधक श्री भडके ने यात्रियों से अपील की कि वे रेलवे परिसरों और ट्रेनों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें, जिससे सभी को स्वच्छ और सुखद यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-अयोध्या कैंट, बांद्रा टर्मिनस-लुधियाना जं. और उधना-जयनगर के बीच विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09095/09096 बांद्रा टर्मिनस-अयोध्या कैंट साप्ताहिक स्पेशल [16 फेरे]

ट्रेन संख्या 09095 बांद्रा टर्मिनस-अयोध्या कैंट साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक बुधवार को बांद्रा टर्मिनस से 11:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17:30 बजे अयोध्या कैंट पहुँचेगी। यह ट्रेन 1 अक्टूबर से 19 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09096 अयोध्या कैंट-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को अयोध्या कैंट से 21:00 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 06:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 20 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, दाहोद, मेघनगर, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शुजालपुर, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ और बाराबंकी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09097/09098 बांद्रा टर्मिनस-लुधियाना जंक्शन साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 09097 बांद्रा टर्मिनस-लुधियाना जं. साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 21:50 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 00:30 बजे लुधियाना जं. पहुँचेगी। यह ट्रेन 5 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09098 लुधियाना जं.-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को लुधियाना जं. से 04:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 7 अक्टूबर से 2 दिसंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, मथुरा जं., नई दिल्ली, पानीपत और अम्बाला स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर और एसी-3 टियर (इकोनॉमी) क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09151/09152 उधना-जयनगर स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09151 उधना-जयनगर स्पेशल मंगलवार, 30 सितंबर, 2025 को उधना से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21:30 बजे जयनगर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09152 जयनगर-उधना स्पेशल बुधवार, 01 अक्टूबर, 2025 को जयनगर से 23:00 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 17:45 बजे उधना पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, शुजालपुर, संत हिरदाराम नगर, बीना, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या की 09151 बुकिंग 28 सितंबर, 2025 से तथा ट्रेन संख्या 09095 एवं 09097 की बुकिंग 29 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

'जनशक्ति जनता दल' के पोस्टर में क्यों नहीं हैं लालू-राबड़ी की तस्वीर? तेज प्रताप ने बताई वजह

(जीएनएस)।

तेज प्रताप यादव ने अपनी राजनीतिक पहचान बनाने के लिए नई पार्टी 'जनशक्ति जनता दल' की घोषणा कर दी है। उन्होंने पार्टी का पहला पोस्टर भी जारी किया, जिसमें उनके पिता लालू प्रसाद यादव और मां राबड़ी देवी की तस्वीर नहीं दिखाई गई।

यह कदम काफी चर्चा में है और राजनीतिक हलकों में सवाल खड़े कर रहा है। वहीं चर्चा के बीच तेज प्रताप ने स्पष्ट किया कि पोस्टर में केवल उनकी नई पार्टी के सदस्य और आदर्श व्यक्तित्वों की तस्वीरें होंगी।

तो इसलिए नहीं है लालू-राबड़ी की तस्वीर

तेजप्रताप ने साफ कहा कि उनके माता-पिता राजद के नेता हैं और उनकी तस्वीर उनकी नई पार्टी के पोस्टर में कैसे लग सकती है। उन्होंने आगे बताया, 'हमारी पार्टी के संविधान के अनुसार केवल वही लोग पोस्टर पर होंगे जो हमारी पार्टी में हैं। राजद के पोस्टरों में भी संस्थापक या नेताओं की तस्वीर का होना जरूरी नहीं है। इसलिए हमने अपने आदर्शों और नए विजन के अनुसार पोस्टर तैयार किया है।'

पार्टी के पोस्टर में इन महापुरुषों का फोटो

पार्टी के पोस्टर में पांच महापुरुषों और सामाजिक नेताओं को शामिल किया गया है: महात्मा गांधी, बीआर अंबेडकर, राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण और कपूर्री ठाकुर। तेज प्रताप यादव ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य पार्टी के संविधान और आदर्शों को प्रमुखता देना है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी में शामिल लोग ही पोस्टर पर होंगे और अन्य राजनीतिक हस्तियों की तस्वीरें नहीं लगाई जाएंगी।

चुनाव चिह्न ब्लैक बोर्ड रखा गया

बता दें कि राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व नेता और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपनी नई पार्टी बनाकर बिहार विधानसभा चुनाव में कदम रख दिया है। उनकी नई पार्टी का नाम 'जनशक्ति जनता दल' (JJD) है और इसका चुनाव चिह्न ब्लैक बोर्ड रखा गया है। तेज प्रताप ने अपने आधिकारिक हैंडल से पार्टी का पहला पोस्टर भी साझा किया है, जिसमें पार्टी के आदर्श और दिशा स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

तेजस्वी यादव की चिंता बढ़ सकती है

तेजप्रताप यादव के बागी तेवर ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है। अपनी नई पार्टी 'जनशक्ति जनता दल' के जरिए उन्होंने विधानसभा चुनाव में कदम रखा है, जिससे तेजस्वी यादव की चिंता बढ़ सकती है। पार्टी का चुनाव चिह्न ब्लैक बोर्ड और आदर्श नेताओं को पोस्टर में शामिल करना तेजप्रताप की अलग पहचान दिखाता है। इससे राजद के वोट बैंक में संभावित असर हो सकता है।

कौन हैं भाजपा प्रवक्ता डॉ. सुहेली मेहता? होम साइंस की प्रोफेसर बनीं कॉमर्स कॉलेज की प्रिंसिपल, मचा बवाल!

(जीएनएस)।

पटना विश्वविद्यालय के वाणिज्य महाविद्यालय में प्रो. सुहेली मेहता ने शुक्रवार को प्राचार्य का पदभार संभाल लिया। उन्हें कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. अहमद हुसैन ने पद सौंपा। इस मौके पर शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उन्हें बधाई दी। हालांकि, पदभार ग्रहण करते ही विवाद की शुरूआत हो गई।

कॉलेज के छात्रों का कहना है कि होम साइंस की प्रोफेसर को वाणिज्य और मैनेजमेंट की पढ़ाई वाले कॉलेज का संचालन करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। छात्रों और कुछ शिक्षकों ने इस नियुक्ति पर सवाल उठाए हैं, जिससे प्रशासन और छात्रों के बीच चचाओं का दौर शुरू हो गया है।

कौन हैं डॉ. सुहेली मेहता?

डॉ. सुहेली मेहता बिहार की राजनीति और शिक्षा दोनों में एक जाना-माना नाम हैं। वे मगध महिला कॉलेज की गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष और प्रोफेसर रह चुकी हैं, और वर्तमान में पटना विश्वविद्यालय के वाणिज्य महाविद्यालय की प्राचार्य भी हैं। राजनीति में वे बिहार बीजेपी की राज्य प्रवक्ता हैं।

पहले वे जदयू में सक्रिय थीं, लेकिन मई 2023 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर महिलाओं की उपेक्षा का आरोप लगाकर पार्टी से अलग हो गईं। इसके तीन दिन बाद 12 मई 2023 को

उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

उनका परिवार भी राजनीतिक रूप से सक्रिय है। उनके पिता तुलसीदास मेहता आरजेडी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री रह चुके हैं, जबकि उनके भाई भी आरजेडी से विधायक है और मंत्री रह चुके हैं।

लॉटरी सिस्टम से प्रिंसिपल की हुई नियुक्ति

बिहार में पटना विश्वविद्यालय के तहत चार कॉलेजों में प्राचार्यों की नियुक्ति के लिए लॉटरी सिस्टम अपनाया गया। इस प्रक्रिया के तहत मगध महिला कॉलेज की गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सुहेली मेहता को वाणिज्य महाविद्यालय का प्राचार्य बनाया गया।

इस लॉटरी प्रक्रिया को बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (BSUSC) द्वारा 2 जुलाई 2025 को राजभवन के प्रतिनिधि की मौजूदगी में आयोजित किया गया, ताकि नियुक्तियों में पारदर्शिता बनी रहे और किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो।

लॉटरी के जरिए चयनित अन्य प्राचार्य इस प्रकार हैं:

नागेंद्र प्रसाद वर्मा - मगध महिला कॉलेज (इतिहास)

अनिल कुमार - पटना कॉलेज

अलका यादव - पटना साइंस कॉलेज

योगेंद्र कुमार वर्मा - पटना लॉ कॉलेज

हालांकि इस नियुक्ति से सुहेली मेहता निराश बताई जा रही हैं और लॉटरी सिस्टम की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर छिड़ा बहस

पटना विश्वविद्यालय के वाणिज्य महाविद्यालय में गृह विज्ञान की प्रोफेसर डॉ. सुहेली मेहता के प्राचार्य बनने से छात्रों और शिक्षकों में विवाद पैदा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सुहेली मेहता आर्ट्स कॉलेज में प्राचार्य बनना चाहती थीं, लेकिन लॉटरी प्रक्रिया के जरिए उन्हें वाणिज्य महाविद्यालय का प्राचार्य बनाया गया। छात्रों का कहना है कि अगर प्रिंसिपल को कॉमर्स और मैनेजमेंट का अनुभव नहीं होगा तो कॉलेज की पढ़ाई की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। बिहार के इस प्रतिष्ठित कॉमर्स कॉलेज में नियुक्ति को लेकर सोशल मीडिया पर भी गुस्सा और बहस का माहौल बन गया है।

मौलाना तौकीर रजा समेत 8 गिरफ्तार, 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा बंद, धारा 144 लागू

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में जुमे की नमाज के बाद भड़की हिंसा को लेकर पुलिस और प्रशासन ने सख़्ती दिखाते हुए इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा को गिरफ्तार कर लिया है।

शनिवार, 27 सितंबर को पुलिस ने अदालत में पेशी के बाद मौलाना को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। उनके साथ 7 अन्य लोगों को भी जेल भेजा गया है।

पुलिस का कहना है कि इस मामले में लगातार एफआईआर दर्ज की जा रही हैं और कई लोगों से पूछताछ जारी है।

मौलाना तौकीर रजा पर दर्ज मामले

बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य ने जानकारी दी कि हिंसा के मामले में अब तक कुल 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें कोतवाली थाने में 5, बरादरी थाने में 2, प्रेमनगर, कैंट और किला थाने में 1-1 एफआईआर दर्ज हुई है। पुलिस ने अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि 39 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अकेले मौलाना तौकीर रजा के खिलाफ 7 ऋक्ष्क्ष दर्ज की गई है।

पुलिस का कहना है कि मौलाना को पहले नजरबंद किया गया, फिर हिरासत में लिया गया और बाद में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

48 घंटे के लिए इंटरनेट बंद

हिंसा और तनाव को देखते हुए प्रशासन ने 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवाएँ बंद करने का आदेश जारी कर दिया है। इरठछ क्षेत्रीय कार्यालय के जीएम पंकज पोरवाल ने मीडिया को दी गई जानकारी में बताया कि शासन से आदेश प्राप्त हो चुका है और शनिवार से जिले में इंटरनेट सेवाएँ बंद कर दी गई हैं। प्रशासन का कहना है कि यह कदम अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं को रोकने के लिए जरूरी है।

गिरफ्तारी से पहले मौलाना तौकीर रजा ने शुक्रवार देर रात एक वीडियो मैसेज जारी किया था। उन्होंने सरकार की ओर से दिए गए बयानों का खंडन करते हुए कहा कि उन्हें नजरबंद कर दिया गया है और इस वजह से वह अपने समर्थकों से संवाद नहीं कर पा रहे हैं।

वीडियो में उन्होंने कहा, "अतीक और अशरफ की तरह मुझे भी गोली मार दो, मोहम्मद के नाम पर मरना कबूल है। मैंने हमेशा अमन का रास्ता चुना, लेकिन मोहम्मद साहब के बार-बार अपमान के खिलाफ सख़्त कानून बनना चाहिए। मैं आशिक-ए-रसूल को मुबारकबाद पेश करता हूँ, जिन्होंने ऐसे कठिन समय में अपनी आस्था का परिचय दिया।"

बता दें कि 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद बरेली की अल हजरत दरगाह के आसपास "आई लव मोहम्मद" लिखे पोस्टरों के साथ प्रदर्शन के लिए सड़क पर उतरे। शुरूआत में प्रदर्शन शांतिपूर्ण नजर आ रहा था लेकिन देखते ही देखते यह विरोधअचानक हिंसक रूप ले लिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया जिससे हालात बेकाबू हो गए हैं। अंत में बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा।

बांग्लादेश डिपोर्ट किए 6 लोग निकले भारतीय, कोर्ट में खुली पोल, अब लाना होगा वापस

(जीएनएस)।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को छह लोगों, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है, को बांग्लादेश से वापस लाने का आदेश दिया। अदालत ने इस निर्वासन को "अवैध" करार देते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय को निर्देश दिया है कि चार सप्ताह के भीतर इनकी पश्चिम बंगाल वापसी सुनिश्चित की जाए।

न्यायमूर्ति तपाब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति रीतोब्रतो कुमार मित्रा की खंडपीठ ने केंद्र सरकार के उस अनुरोध को भी खारिज कर दिया, जिसमें आदेश को टालने की मांग की गई थी।

पश्चिमी रेलवे

पुलों पर 2 लेन सड़कों का निर्माण

उप मुख्य अभियंता (निर्माण), पश्चिम रेलवे, सूरत-395006, निविदा सूचना संख्या Dy.CE (C)ST/174, दिनांक 24.09.2025 के तहत निविदा आमंत्रित करता है। कार्य का नाम: पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल में उधना-उकाई-सोंघार के बीच किलोमीटर 15/12-13 पर समपार संख्या 16 पर पहुँच मार्ग (एक सिरे से दूसरे सिरे तक) सहित 2 लेन रोड ओवर ब्रिज (ROB) का निर्माण। कार्य की अनुमानित लागत: ₹51,73,38,684.12। बयाना राशि: ₹27,36,700/-। जमा करने की तिथि एवं समय: 16.10.2025 को 15:00 बजे तक। खोलने की तिथि एवं समय: 16.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ।

0646

हमे लाईक करें: facebook.com/WesternRly

नारी शक्ति की उड़ान : अहमदाबाद की 23 वर्षीय विधि परमार ने गुजरात सरकार की योजना द्वारा पयलट बनने का बचपन का सपना पूरा किया

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए कॉमर्शियल पायलट प्रशिक्षण लोन योजना ने सपनों को दी नई उड़ान, प्रशिक्षुओं को दिया जाता है 25 लाख रुपए तक का लोन

अहमदाबाद की विधि परमार ने अमेरिका के मियामी राज्य के फ्लाइट स्कूल संस्थान से कॉमर्शियल पायलट लाइसेंस का प्रशिक्षण प्राप्त किया है

गांधीनगर, 27 सितंबर : नारी को शक्ति स्वरूपा कहा जाता है और नवरात्रि में शक्ति की आराधना का अनूठा महत्व है। आज हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा के बल पर नई उड़ान भरी है। गुजरात सरकार सपनों की उड़ान भरने के इच्छुक युवाओं; विशेषकर महिलाओं के साथ हमेशा खड़ी रही है और विभिन्न योजनाओं के तहत उन्हें प्रोत्साहन देती रही है। अनुसूचित जाति के सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ऐसी ही एक महत्वपूर्ण योजना है : 'अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए कॉमर्शियल पायलट प्रशिक्षण लोन योजना'। इस योजना की सहायता से अहमदाबाद जिले की विधि परमार ने पायलट बनने का अपना सपना पूरा किया है।

सपनों को नई उड़ान : विधि परमार ने पायलट बनने का बचपन का सपना पूरा किया

बचपन से ही खुले आकाश में उड़ने के सपने देखने वाली विधि हर्षदभाई परमार आज एक कॉमर्शियल

पायलट बन गई है। इस उपलब्धि के पीछे विधि की मेहनत, धैर्य तथा परिवार का सपोर्ट तो ही है, लेकिन साथ ही राज्य सरकार की अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को कॉमर्शियल पायलट लाइसेंस/ट्रेनिंग पायलट की ट्रेनिंग लोन योजना का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

अहमदाबाद के वेजलपुर में रहने वाली विधि परमार कहती है, 'मेरा बचपन से पायलट बनने का सपना था। उस समय मुझे गुजरात सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित कॉमर्शियल पायलट प्रशिक्षण योजना के विषय में जानकारी मिली। इस योजना के तहत आवेदन करने के बाद वर्ष 2023-24 में मुझे अमेरिका के मियामी राज्य के फ्लाइड स्कूल में कॉमर्शियल पायलट लाइसेंस (सीपीएल) के प्रशिक्षण के लिए 25 लाख रुपए का लोन मिला था। इस लोन की मदद से मेरा कॉमर्शियल पायलट बनने का सपना पूरा हो सका है। हाल में मैं ग्राउंड इंस्ट्रक्टर के रूप में सेवा दे रही हूँ और प्रतिमाह 40,000 रुपए की आय अर्जित कर रही हूँ। मैंने इस योजना की सहायता से मेरा सपना तो पूरा किया है, लेकिन साथ ही मैं अपने परिवार के लिए आर्थिक रूप से सहायक भी बनी हूँ। इसके लिए मैं गुजरात सरकार का हृदयपूर्वक आभार व्यक्त करती हूँ।'

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए कॉमर्शियल पायलट प्रशिक्षण लोन योजना क्या है ?

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए कॉमर्शियल पायलट प्रशिक्षण योजना अंतर्गत 25 लाख रुपए तक का लोन वार्षिक 4 प्रतिशत की दर से दिया जाता है। योजना का लाभ लेके लिए अनुसूचित जाति के विद्यार्थी का कक्षा 10/12 या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण किया होना आवश्यक है। कॉमर्शियल पायलट का प्रशिक्षण देने वाले देश-विदेश के संस्थान द्वारा प्रशिक्षुओं के प्रवेश के लिए निर्धारित की गई शर्तों के अनुसार प्रशिक्षण के लिए जरूरी सभी प्रमाणपत्र होने चाहिए। प्रशिक्षु को अपने प्रशिक्षण के लिए होने वाले खर्च का अनुमान सम्बद्ध संस्थान से प्राप्त कर प्रस्तुत करना होता है। भारत में प्रशिक्षण की राशि में ट्यूशन फीस तथा अन्य आनुषांगिक खर्च का समावेश किया जाता है।

विकसित भारत के विजन को साकार करने में महिलाएँ उल्लेखनीय भूमिका निभाएंगी

आज जब भारत विकसित देश बनने की ओर आगे बढ़ रहा है, तब उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ऐसे सतत प्रयास किए हैं; जिससे सामाजिक, शैक्षणिक, राजनीतिक, खेल, कृषि आदि क्षेत्रों में महिलाएँ आगे आएँ। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत@2047 विजन में महिला सशक्तिकरण को मजबूत आधार बताया है। उनके मार्गदर्शन में गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल राज्य में महिलाओं के विकास के लिए पूर्णतः कटिबद्ध हैं।

पाक के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने फिर उड़वाई खिल्ली, सेना और सरकार को सबके सामने किया बेआबरू

(जीएनएस)।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने देश में चल रहे 'हाइब्रिड मॉडल' शासन का बचाव किया है। इस मॉडल में सेना और नागरिक नेतृत्व मिलकर देश का संचालन करते हैं। आसिफ ने यह टिप्पणी ब्रिटिश-अमेरिकी पत्रकार मेहदी हसन को दिए एक इंटरव्यू में की। हालांकि, पाकिस्तान को मानवाधिकार उल्लंघन के मामले में दुनिया के सबसे खराब देशों में गिना जाता है।

अमेरिकी लोकतंत्र को कहा 'डीप स्टेट'

इंटरव्यू के दौरान ख्वाजा आसिफ ने अमेरिकी लोकतंत्र को "डीप स्टेट" करार दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या पाकिस्तान में सेना के प्रमुख आसिम मुनीर, रक्षा मंत्री से भी ज्यादा शक्तिशाली हैं, तो उन्होंने इसे खारिज किया। हसन ने सवाल किया, "यह एक अजीब सिस्टम है जो आपके पास पाकिस्तान में है। आपने इसे हाइब्रिड मॉडल कहा है - जहां सैन्य और नागरिक नेता सत्ता साझा करते हैं। लेकिन असली सत्ता सैन्य नेताओं के पास है। अधिकांश देशों में सेना का प्रमुख रक्षा मंत्री के प्रति जवाबदेह होता है। आपके देश में तो रक्षा मंत्री सेना प्रमुख के प्रति जवाबदेह हैं। आसिम मुनीर आपसे ज्यादा ताकतवर व्यक्ति हैं।"

ख्वाजा से न उगलते बना न निगलते

"नहीं, ऐसा नहीं है। मैं एक राजनीतिक नियुक्त व्यक्ति हूं, एक राजनीतिक कार्यकर्ता हूं।" जब हसन ने अमेरिकी मॉडल का उदाहरण दिया

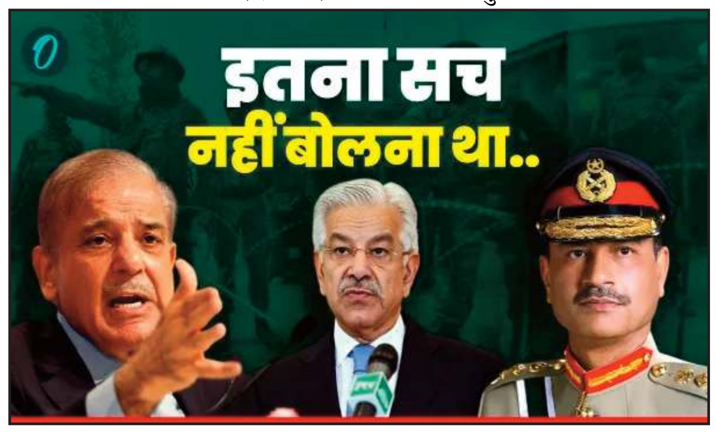

और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जनरलों को बर्खास्त कर सकते हैं, तो आसिफ ने तीखे अंदाज में कहा, "अमेरिका में एक अलग मॉडल है। इसे डीप स्टेट कहा जाता है।"

हाइब्रिड मॉडल वाली सत्ता

हसन ने आगे कहा, "आपके देश में डीप स्टेट प्रभारी है। यही आरोप है।" इस पर आसिफ ने कहा, "आप ऐसा कह सकते हैं क्योंकि हमारे सैन्य शासकों के कारण यह अधिक दिखाई देता है।" जब हसन ने पूछा कि पाकिस्तान में सत्ता वास्तव में कहां पर है, तो आसिफ ने इसे 'हाइब्रिड' बताते हुए कहा कि यह एक साझा व्यवस्था है।

हाइब्रिड सिस्टम को बताया "चमत्कारिक"

'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल की शुरूआत में भी ख्वाजा आसिफ ने इस हाइब्रिड व्यवस्था की तारीफ की थी। यह शब्द उस सत्ता-साझाकरण व्यवस्था को दशार्ता है, जिसमें सेना का नागरिक सरकार पर गहरा प्रभाव होता है और राज्य के मामलों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

'अरब न्यूज' को दिए एक इंटरव्यू में आसिफ ने इस हाइब्रिड सिस्टम को "चमत्कारिक" करार दिया था। उन्होंने कहा था कि यह एक "व्यावहारिक आवश्यकता" है, जब तक कि पाकिस्तान की आर्थिक और शासन संबंधी समस्याएँ हल नहीं हो जातीं।

अंतिम फैसला किसका होता है?

मेहदी हसन ने एक और सवाल पूछा, "मान लीजिए आप और सेना प्रमुख आसिम मुनीर किसी मुद्दे पर असहमत होते हैं। अंतिम फैसला किसका होगा? यदि आप बाईं दिशा में जाना चाहते हैं और वह दाहिनी दिशा में, तो कौन जीतता है?" इस पर आसिफ ने कहा, "यह बराबर नहीं है। हम असहमत होने के लिए सहमत हो सकते हैं। निर्णय आम सहमति से होते हैं। जो भी निर्णय लिया जाता है, वह सामूहिक रूप से लिया जाता है।" लेकिन सच ख्वाजा आसिफ को भी पता है।

वॉशिंगटन में ट्रंप से मुलाकात

गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर की मेजबानी की। यह मुलाकात वॉशिंगटन के ओवल ऑफिस में हुई। पाकिस्तानी पीएमओ के अनुसार, इस दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी मौजूद थे।

इस मुलाकात को दोनों देशों के रिश्तों को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पाकिस्तानी नेतृत्व का कहना है कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता पर चर्चा हुई।

जुबीन गर्ग मामले में असम सीएम का बड़ा एक्शन, सिंगर के मैनेजर समेत ऑर्गनाइजर के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

(जीएनएस)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के आयोजक श्यामकानु महंत और जुबीन गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किए गए हैं। सिंगर जुबीन गर्ग की सिंगापुर में 19 सितंबर को एक कार्यक्रम में प्रदर्शन के दौरान समुद्र में डूबने से मृत्यु हो गई थी।

जुबीन गर्ग की मौत अभी भी रहस्य बनी हुई है। जिसकी गहन जांच की मांग असम के एक बड़े वर्ग द्वारा की जा रही है। मुख्यमंत्री सरमा ने फेसबुक लाइव के माध्यम से बताया कि महंत और शर्मा को 6 अक्टूबर को गुवाहाटी आकर अपना बयान दर्ज कराना होगा, अन्यथा पुलिस उनके लिए तलाशी अभियान तेज कर देगी।

ड्डीील्ल ॠॅ

सरमा ने अपने बयान में कहा, "हम जुबीन के लिए न्याय चाहते हैं। सार्वजनिक मंचों और पुलिस जांच से अब तक जो सामने आया है, उसके अनुसार महंत, शर्मा और कुछ अन्य लोगों को बहुत सी बातों का जवाब देना है। इस फेसबुक लाइव के माध्यम से मैं महंत और शर्मा को बताना चाहता हूं कि जनता के धैर्य की परीक्षा न लें।"

उन्होंने आगे कहा, "छह अक्टूबर को हम आप दोनों को असम में चाहते हैं। चूंकि दुर्गा पूजा है, हम नहीं चाहते कि वे अभी आएं। लेकिन उसके बाद, वे फेसबुक पर बयान देकर या सोशल मीडिया पर खुले पत्र लिखकर बच नहीं सकते।" सीएम ने स्पष्ट रूप से महंत के फेसबुक वीडियो बयान और शर्मा के उसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुले पत्र का जिक्र कर रहे थे, जिसमें उन्होंने 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में गर्ग की डूबने से हुई मौत से संबंधित किसी भी घटना में अपनी बेगुनाही का दावा किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि वे वास्तव में निर्दोष हैं, तो उन्हें आकर अपनी बात रखने का साहस दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, "आपको केवल कानून के अनुसार दंडित किया जाएगा। यदि कानून आपको निर्दोष पाता है, तो ऐसा ही होगा। लेकिन यदि आप कानून से बचने की कोशिश करते हैं तो सरकार चुप नहीं बैठेगी।"

गृह विभाग संभालने वाले सरमा ने कहा कि राज्य पुलिस का ऐसे लोगों को ट्रैक करने का रिकॉर्ड सिद्ध है जो भागने की कोशिश करते हैं, चाहे वे बलात्कारी हों या शिकारी, और यदि वे नोटिसों के जवाब में नहीं आते हैं तो वे दोनों को ढूंढ लेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, "यदि वे सीआईडी (जो मामले की जांच कर रही है) के सामने पेश नहीं होना चाहते हैं, तो वे अदालत का रुख कर सकते हैं," और महंत तथा शर्मा से अग्रिम जमानत जैसे उपायों की तलाश न करने को कहा।

सरमा ने पुष्टि की कि मुख्यमंत्री के रूप में, वह यह सुनिश्चित करेंगे कि गर्ग को न्याय मिले। उन्होंने आगे कहा कि महंत के बैंक खातों और क्रेडिट कार्डों को फ्रीज कर दिया गया है ताकि "वह लंबे समय तक बाहर नहीं रह सकें"। सरमा ने बताया कि सरकार सिंगापुर से गर्ग की पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने यह भी कहा कि गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में किए गए दूसरे पोस्टमार्टम की रिपोर्ट भी "तैयार" है।

सरमा ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पुलिस जांच में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक सेवारत न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग गठित करने के लिए लिखा है। उन्होंने कहा, "मैंने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बताया है कि जिस दिन ऐसा लगेगा कि असम पुलिस जुबीन के लिए न्याय दिलाने में सक्षम नहीं है, उस दिन हम यह मामला सीबीआई को सौंप देंगे।"

27 साल में गूगल कैसे बना टेक्नोलॉजी का साम्राज्य, छोटे से गैरेज से शुरू थी पूरी कहानी

(जीएनएस)।

आज इंटरनेट की सबसे बड़ी कंपनी गूगल 27 साल का हो गया है। इस खास मौके पर गूगल ने अपने होमपेज पर एक नॉस्टेल्जिक डूडल लगाया है, जिसने पुराने यूजर्स को सीधे 1998 की याद दिला दी। डूडल में गूगल का पहला लोगो दिखाया गया है और साथ ही एक मैसेज "आज गूगल का 27वां जन्मदिन है। हमारी इस लंबी यात्रा का हिस्सा बनने और हमेशा हमारे साथ सर्च करने के लिए धन्यवाद।"

लेकिन सवाल यह है कि गूगल ने अपना जन्मदिन मनाने के लिए 27 सितंबर की तारीख क्यों चुनी, जबकि कंपनी का रजिस्ट्रेशन 4 सितंबर 1998 को हुआ था? दरअसल, कंपनी ने शुरूआती सालों में इसी दिन डूडल के जरिए पहला सेलिब्रेशन किया था। इसके बाद से ही यह दिन गूगल का ऑफिशियल बर्थडे बन गया।

गैरेज से शुरू हुई गूगल की कहानी

गूगल की शुरूआत किसी बड़े दफ्तर से नहीं, बल्कि अमेरिका के

कैलिफोर्निया के मेनलो पार्क की एक छोटी-सी गैरेज से हुई थी। दो स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के छात्र-लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन-ने मिलकर इस सर्च इंजन को जन्म दिया। उनका सपना था कि वे दुनिया की तमाम जानकारियों को एक जगह इकट्ठा करें और हर किसी तक आसानी से पहुंचाएं।

आज 27 साल बाद, यह कहना गलत नहीं होगा कि उन्होंने अपना सपना 100% से भी ज्यादा पूरा किया। गूगल न सिर्फ सर्च इंजन बना, बल्कि आज यह एंड्रॉइड, यूट्यूब, जीमेल, गूगल मैप्स, क्लाउड सर्विस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों के जरिए पूरी दुनिया को बदल रहा है।

क्यों खास है गूगल का डूडल

गूगल के डूडल अब एक संस्कृति का हिस्सा बन चुके हैं। 1998 में जब कंपनी ने पहला डूडल बनाया था, तब वह बस एक छोटा-सा स्टिक फिगर था, जो बर्निंग मैन फेस्टिवल को दशार्ता था। लेकिन धीरे-धीरे ये डूडल इंटरएक्टिव गेम्स, एनिमेशन और लोकल आर्टवर्क्स में बदल गए।

आज हर बड़ा त्योहार, वैज्ञानिक की जयंती, किसी कलाकार की याद या फिर ऐतिहासिक दिन-गूगल डूडल के जरिए पूरी दुनिया के सामने आता है। आज का डूडल भी खास है, क्योंकि इसमें कंपनी ने अपने शुरूआती लोगो को फिर से जिंदा किया है। यह हमें याद दिलाता है कि कैसे एक छोटा स्टार्टअप आज दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी बन गया।

गूगल ने कैसे बदली हमारी जिंदगी

सोचिए, आखिरी बार आपने कब कहा था: "गूगल कर लो"? शायद इस हफ्ते ही, और हो सकता है आज ही। यही इसकी ताकत है।

आज भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में लोग हर छोटी-बड़ी जानकारी के लिए गूगल पर भरोसा करते हैं। चाहे आपको नवरात्रि का व्रत कैलेंडर देखना हो, दिल्ली का मौसम जानना हो, मुंबई की फ्लाइट ट्रैक करनी हो या क्रिकेट का स्कोर चेक करना हो- गूगल हर जगह साथ है।

1998 में जब गूगल आया था, तब लोग डायल-अप इंटरनेट और भारी-भरकम कंप्यूटर इस्तेमाल करते थे। आज वही सर्च इंजन आपकी जेब में मोबाइल ऐप्स और स्मार्ट डिवाइस के रूप में मौजूद है।

गूगलः सिर्फ सर्च इंजन नहीं, पूरा इकोसिस्टम

आज गूगल सिर्फ सर्च इंजन नहीं है। यह हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है।

जीमेल ने हमारी ई-मेल की दुनिया बदल दी।

यूट्यूब ने मनोरंजन और सीखने का तरीका बदल दिया।

गूगल मैप्स ने सफर आसान बना दिया।

एंड्रॉइड ने स्मार्टफोन हर किसी की पहुंच में ला दिया।

और अब गूगल एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग के जरिए भविष्य को नया आकार दे रहा है।

30वें जन्मदिन तक कहां पहुंचेगा गूगल?

गूगल का 27वां जन्मदिन सिर्फ अतीत की याद दिलाने वाला नहीं है, बल्कि यह आने वाले समय की झलक भी देता है। अगले तीन सालों में, यानी अपने 30वें जन्मदिन तक, कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, ई-कॉमर्स और स्मार्ट डिवाइस में और भी बड़े बदलाव ला सकती है।

एक बात तय है-चाहे भविष्य में

जस्टिस अरुणा जगदीशन कौन हैं? एक्टर विजय की करूर रैली में मची भगदड़ घटना की करेंगी जांच

(जीएनएस)।

करूर में तमिलनाडु वेत्री कड़गम के अध्यक्ष विजय की चुनावी रैली में हुए भगदड़ से जुड़ी एक दुखद खबर सामने आई है। इस हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई, जिसने पूरे तमिलनाडु को झकझोर कर रख दिया है।त मिलनाडु के करूर जिले में एक टर से नेता बने विजय की रैली जहां 36 लोगों के जीवन के लिए काल बन गई वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका अस पताल में इलाज चल रहा है।

इस घटना की जांच के लिए, मुख्यमंत्री स्टालिन ने सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश अरुणा जगदीसन की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग के गठन की घोषणा की है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना जिसमें 30 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। इस हादसे की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण में हुई चूक की तत्काल जांच के लिए गठित किए आयोग की की प्रमुख नियुक्ति की गई रिटायर्ड न्यायमूर्ति अरुणा जगदीशन कौन हैं?

बता दें मुख्यमंत्री स्टालिन ने बताया कि 27 सितंबर, 2025 को करूर में तमिलनाडु वेत्री कड़गम की राजनीतिक रैली में हुई भगदड़ में 8 बच्चों और 16 महिलाओं सहित कुल 36 लोगों के मारे जाने की खुद पुष्टि की है। इसके बाद उन्होंने ये जांच आयोग गठित किया है।

कौन हैं न्यायमूर्ति जगदीशन?

न्यायमूर्ति जगदीशन का ट्रैक

रिकॉर्ड राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों को संभालने में साबित हुआ है। अरुणा जगदीसन वही न्यायाधीश हैं, जिन्होंने तूतीकोरिन स्टरलाइट गोलीबारी कांड की जांच की थी। उनकी पहचान स्पष्ट रिपोर्ट देने वाली न्यायाधीश के रूप में है, जिसे अक्सर "स्पष्टवादी" बताया जाता है।

थोथुकुडी आयोग और कई न्यायिक मामलों से जुड़े उनके विवादास्पद अतीत के बावजूद, उन्हें इस उच्च-दांव वाली जांच का नेतृत्व करने के लिए चुना गया है।

जनता उन्हें 2018 में थोथुकुडी में स्टरलाइट विरोधी प्रदर्शनकारियों पर पुलिस फायरिंग की जांच करने वाले एक-सदस्यीय आयोग की अध्यक्ष के रूप में जानती है। इस घटना में 13 नागरिकों की मौत हुई थी। उनकी अंतिम रिपोर्ट में पुलिस कार्रवाई को "अनुचित" और "अंधाधुंध" बताया गया था, जिसके परिणामस्वरूप कई पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर आरोप लगे थे। थोथुकुडी रिपोर्ट की गंभीरता ने उन्हें एक आधिकारिक प्रशासनिक जांचकर्ता के रूप में स्थापित किया।

इन प्रशासनिक भूमिकाओं से पहले, न्यायमूर्ति अरुणा जगदीशन ने मार्च 2015 में अपनी सेवानिवृत्ति तक 2009 से मद्रास हाई कोर्ट में न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। हालांकि, उनके न्यायिक कार्यकाल में कई विवादास्पद निर्णय शामिल हैं, जिन्होंने कानूनी कार्यकताओं और मानवाधिकार समूहों से अलोचना मिली।

इनमें 2015 का वेलाचेरी "फर्जी मुठभेड़" मामला सबसे उल्लेखनीय है। एक हाई कोर्ट बेंच के हिस्से के रूप में, उन्होंने बैंक डकैती के संदिग्ध पांच लोगों की मौत के संबंध में चेन्नई पुलिस को क्लीन चिट दी थी। उन्होंने सीबीआई जांच की याचिकाओं को खारिज करते हुए पुलिस कार्रवाई को न्यायोचित ठहराया था।

इसी तरह, उन्होंने 2002 में दलित महिला करूपी की हिरासत में हुई मौत की अपील पर सुनवाई की। पीड़िता पर कथित यातना को लेकर सार्वजनिक आक्रोश के बावजूद, न्यायमूर्ति जगदीशन ने निचले अदालत के दोषसिद्धि को पलट दिया और अपर्याप्त सबूतों के कारण आठ पुलिसकर्मियों को बरी कर दिया। वह पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता के वित्तीय लेनदेन से जुड़े हाई-प्रोफाइल मामलों में भी शामिल थीं।

इन विवादास्पद न्यायिक निर्णयों के बावजूद, न्यायमूर्ति अरुणा जगदीशन तमिलनाडु के प्रशासनिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण और सक्रिय व्यक्ति बनी हुई हैं।

पाकिस्तान में चार दीवारी में बंद होकर खेला जा रहा गरबा, पंडाल का दृश्य देख आ जाएगा तरस

(जीएनएस)।

कराची में रहने वाले दो पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर्स ने नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया खेलते लोगों के वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए हैं। जिन्हें देखकर आपको दया आ जाएगी कि पाकिस्तान में हिन्दू समुदाय के लोगों की क्या हालत है। भारत और विदेशों में इन दिनों नवरात्रि का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। लेकिन पाकिस्तान में खुले में या मंदिर की बाउंड्री के बाहर गरबा खेलने पर पाबंदी है।

वायरल हुए दो वीडियो

उत्सव के कई वीडियो के बीच ये दो क्लिप खास वजह से वायरल हो गए हैं। इन वीडियो में पाकिस्तान में हिन्दू समुदाय के लोग गरबा और डांडिया करते दिखाई दे रहे हैं। इंस्टाग्राम पर प्रीतम देवरिया और धीरज मंधान ने इन वीडियो को साझा किया है, जिसमें पाकिस्तान में नवरात्रि मनाते लोगों के वीडियो शामिल हैं।

प्रीतम देवरिया और धीरज मंधान के वीडियो

पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू प्रीतम देवरिया ने नवरात्रि के लिए आयोजित एक कार्यक्रम का वीडियो साझा किया है। इसमें पारंपरिक वेशभूषा में सजे लोग त्योहार का भरपूर आनंद लेते हुए नजर आ रहे हैं। धीरज मंधान द्वारा साझा किया गया एक और वीडियो कराची में ऐसे ही उत्सव का नजारा दिखाता है।

सोशल मीडिया पर खुशी की लहर

इन वीडियो ने दर्शकों के बीच खुशी और उत्साह फैला दिया है। कई लोगों ने यह देखकर आश्चर्य जताया कि एक मुस्लिम बहुल देश में भी लोग नवरात्रि का आनंद ले रहे हैं।

यूजर्स की प्रतिक्रियाएं

एक यूजर ने लिखा, "यह देखना कितना अद्भुत है कि लोग नवरात्रि का आनंद ले रहे हैं।" कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इन वीडियो पर सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ दीं। कई लोगों ने कंटेंट

क्रिएटर्स को शुभकामनाएँ दीं, जबकि कुछ ने पाकिस्तान में हिंदुओं के जीवन के बारे में सवाल पूछे।

पाकिस्तान में हिंदू समुदाय पर चर्चा

एक यूजर ने पूछा, "क्या पाकिस्तान में शाकाहारी और जैन हैं?" प्रीतम देवरिया ने जवाब दिया, "हां।" एक अन्य यूजर ने लिखा, "उत्सव अपने चरम पर है।" तीसरे यूजर ने कहा, "पाकिस्तान में दूसरों को अपनी परंपराओं का अभ्यास करते हुए देखना अच्छा लगता है। मुझे अपने राष्ट्र की विविधता देखना पसंद है।" एक चौथे यूजर ने लिखा, "भारत से हैप्पी नवरात्रि।" कई लोगों ने दिल वाले इमोजी के साथ वीडियो पर प्रतिक्रिया दी।

शारदीय नवरात्रि का महत्व

शारदीय नवरात्रि नौ रातों तक मनाई जाती है और यह देवी दुर्गा तथा उनके नौ दिव्य रूपों को समर्पित होती है। 2025 में यह उत्सव 22 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक चला। दृक पंचांग कैलेंडर के अनुसार, इस वर्ष नवरात्रि एक अतिरिक्त दिन तक चली।

नवरात्रि के नौ रंग और पूजा का महत्व

देवी के विभिन्न दिव्य रूपों की प्रतिदिन पूजा की जाती है, और हर दिन का एक शुभ रंग होता है। नवरात्रि के नौ रंग इस प्रकार हैं:

- पहला दिनः सफेद
- दूसरा दिनः लाल
- तीसरा दिनः रॉयल ब्लू
- चौथा दिनः पीला
- पांचवां दिनः हरा
- छठा दिनः ग्रे
- सातवां दिनः नारंगी
- आठवां दिनः मोर ग्रीन
- नौवां दिनः गुलाबी

इन रंगों को पहनकर लोग देवी की विशेष पूजा करते हैं और नवरात्रि का आनंद मनाते हैं।